**647510** **BRSHinFC507B** **Seat No :_____**

# B.R.S. Semester - 5 (Remedial) (*CBCS*) Examination
## March/April-2022(Old Course)
## HINDI LITERATURE AND LANGUAGE CORRECTION (FOUNDATION-7)

**Time: 2:30 Hours** **Marks: 70**

**Instructions:**

1. All questions are compulsory.
2. Figures to the right indicate marks.

---

प्रश्न.-१ निम्नांकित प्रश्नों के सूचनानूसार उत्तर दीजिए: (१४)

१. जिसकी चार भुजाईं है।- शब्दसमूह के लिए एक शब्द दीजिए।
२. जो सबकूछ जानता है वह- शब्दसमूह के लिए एक शब्द दीजिए।
३. परिस्थिति शब्द का शुध्ध रूप लिखिए।
४. वालमीकी शब्द का शुध्ध रूप लिखिए।
५. तद्‌भव शब्द का एक उदाहरण दीजिए।
६. इडली- किस भाषा का शब्द है।
७. जो पुस्तकों की समीक्षा करता है- शब्द समूह के लिए एक शब्द दीजिए।
८. विदेशी शब्द का उदाहरण दीजिए।
९. देशज शब्द का उदाहरण दीजिए।
१०. पुत्री शब्द का समानार्थी शब्द दीजिए।
११. जो मोक्ष चाहता है वह- शब्द समूह के लिए एक शब्द दीजिए।
१२. आवेदन पत्र के लिए सब से महत्वपूर्ण क्या है?
१३. अनुवाद शब्द का समानार्थी शब्द दीजिए।
१४. जो इश्वर में विश्वास नहीं करता- शब्द समूह के लिए एक शब्द दीजिए।

प्रश्न.-२ तिरुपति स्कूल दिल्लीमें विज्ञान-शिक्षक के पद हेतु आवेदन पत्र- तैयार कीजिए। (१४)

अथवा

प्रश्न.-२ वाणी प्रकाशन दिल्ली से हिन्दी भाषा की-5 किताबे मंगवाने हेतू पत्र तैयार कीजिए।

प्रश्न.-३ निम्नांकित टिप्पणीयों में से किन्हीं दो पर टिप्पणी लिखें। (१४)

१. संक्षेपण को व्याख्या देकर संक्षेपण कर्ता के गुण।
२. अनुवाद के प्रकारों पर प्रकाश डालिए।
३. काव्यानुवाद करने के लिए उत्पन्न समस्याई।
४. हिन्दी भाषा का महत्व और राष्ट्रीय एकता।

प्रश्न.-४ अनुवाद शब्द की व्याख्या देकर, अनुवाद की उपयोगिता क्या है समजाईए। (१४)

अथवा

प्रश्न.-४ हिन्दी शब्द समूहों की उदाहरणों के के साथ विस्तृत चर्चा करें।

प्रश्न.-५ निम्नांकित परिच्छेद का संक्षेपण कीजिए। (१४)

आधुनिक समाज नकाब ओढकर जी रहा है। हमारे जीवन के प्रत्येक क्षेत्रमें असंगतिर्यां पैढ गई है। नया साल आरंभ होता है, तब लोग परस्पर शुभकामनाई प्रकट करते है, परंतु इसमें भी असंगति होती है। आजकाल केवल फैशन के रूप में ही शुभकामनाओं का आदान-प्रदान होता है।

वास्तवमें शुभकामनाओं द्रारा मनुष्य को अपने मन की भावनाओं को प्रदर्शित करना चाहिए। केवल कोरी शुभकामनाई होती हैं। प्रतिवर्ष नये साल के आगमन पर इस प्रकार की कोरी, झुढी, बनावटी, खोखली शुभकामनाओं का आदान-प्रदान होता ही रहता है। ये कामनाई निरर्क्षक होती है।

यदि नये वर्ष का आरम्भ ही कोरी, निरर्थक तथा खोखली शुभकामनाओं से हो,तो साल भर में आनेवाले अन्य अवसरों पर प्रकट की गई शुभकामनाई केसी होगी। नई वर्ष के शुभ अवसर पर ही ऐसी धोखेबाजी होती है, तो कम महत्ववाले अन्य अवसरों पर क्या होगा?

**********